

---

# Shri Karmachandracharya Ashtakam

---

## श्रीकर्मचन्द्राचार्याष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Karmachandracharya Ashtakam

File name : karmachandrAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीकर्मचन्द्राचार्याष्टकम्



तारकादिरहस्यानां रहस्यज्ञं च बोधकम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

सिंहं वादिगजेन्द्राणां विशिष्टाद्वैतवादिनम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

दुराचारापहर्तारं सदाचारप्रचारकम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

आस्तिक्यत्वविधातारं नास्तिक्यविनाशकम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

रामभक्तिप्रदानेन मुक्तिसौलभ्यकारकम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

रामानन्दीयधर्मस्य रक्षितारं च शिक्षकम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥


शिष्याणां पञ्चसंस्कारैर्योग्यतापादकं परम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

आनन्दभाष्यवेत्तारं बुधैः सिद्धैश्च सेवितम् ।  
कर्मचन्द्रमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीकर्मचन्द्राचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

